विश्व पशुचिकित्सा दिवस के अवसर पर विभिन्न पशु कल्याण कार्यक्रमों का आयोजन

बरेली, 27 अप्रैल। भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में विश्व पशुचिकित्सा दिवस के अवसर पर विभिन्न पशु कल्याण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 200 श्वानों को रैबीज के मुफ्त टीके लगाये गये तथा 150 पशुओं को कृमिनाशक दवायें प्रदान की गयी। टीकाकरण का कार्यक्रम रोटरी क्लब, इज्जतनगर के सौजन्य से किया गया। इस अवसर क्लब के अध्यक्ष डा. वाई.पी.एस. मलिक तथा उनकी टीम भी उपस्थित रही। आयोजन का मुख्य आकर्षण छात्रों के लिए प्रश्नमंच प्रतियोगिता; ई–पोस्टर प्रस्तुति तथा क्लीनिकल केस प्रतियोगिता थी। इससे पूर्व दिनांक 26 अप्रैल को संस्थान के प्रशासनिक भवन से राजेन्द्र नगर तक संस्थान के वैज्ञानिकों एवं छात्रों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गयी।

विश्व पशुचिकित्सा दिवस का उद्घाटन संस्थान के संयुक्त निदेशक डा. बी.पी. मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारे संस्थान ने 19वीं सदी के प्रारम्भ में ही रिंडरपेस्ट जैसे मारक पशु रोग का निवारण किया और आज भी हम अपने बंगलूरू केन्द्र पर नये टीकों का ट्रायल कर रहे हैं। आशा है कि संस्थान द्वारा विकसित नये टीके पशु रोगों में भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगितायें छात्रों में व्यवसायिक क्षमता का विकास करते हैं।

संस्थान के संयुक्त निदेशक, कैडराड डा. वी.के. गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि यह अवसर हमारे लिए स्वयं पर और अपने व्यवसाय पर गर्व करने का दिन है। हम अपनी उपलब्धियों को याद करते हुए अपने व्यवसाय में श्रेष्ठ कार्यों द्वारा समाज और पशुओं की श्रेष्ठ सेवा करें।

कार्यक्रम का विवरण देते हुए संस्थान के शल्य चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं बहुआयामी पशु चिकित्सालय के प्रभारी डा. अमरपाल ने प्रतियोगिताओं के बारे में बताते हुए कहा कि क्लीनिकल केस प्रतियोगिता में छात्रों की प्रतिभागिता सराहनीय रही वे इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

विश्व पशुचिकित्सा दिवस पर आयोजित हुयी क्लीनिकल केस प्रतियोगिता में औषधि विभाग के डा. दीक्षा भारती, डा. बाबुल रूद्र पॉल तथा डा. सृष्टि सोनी ने क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। शल्य चिकित्सा विभाग से इस प्रतियोगिता का पुरस्कार डा. शारून खान–प्रथम, कलईसेलवन ई–द्वितीय तथा शशिकला आर–तृतीय स्थान पर रहीं। पशु पुनर्रूत्पादन विभाग से डा. राजन टी. डा. लावण्य एम तथा अभिषेक कुमार क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। पैराक्लीनिकल सब्जेक्ट में डा. रोहित सिंह को सात्वंना पुरस्कार प्रदान किया गया।

ई–पोस्टर प्रस्तुति में शाहिल एवं विशाल ने प्रथम; डा. आनन्द एवं आदर्श तिवारी–द्वितीय तथा राहुल सांडिल्य एवं मंजीत सरन ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। प्रश्नमंच प्रतियोगिता जो डा. कृतिमा कपूर सहायक प्रोफेसर शरीर क्रिया विज्ञान द्वारा तथा निर्णायक मंडल में डा. प्रकाश किंजवेडकर, डा. एस.के. सिंह तथा डा. रघुवरन के नेतत्व में आयोजित की गयी जिसमें प्रथम स्थान पर डा. पूजा मोनी, डा. मनीश कुमार तथा आदर्श तिवारी प्रथम स्थान पर रहे जबकि द्वितीय स्थान आनन्द कुमार यादव एवं अन्य तथा तृतीय स्थान पर डा. शाहिल एवं अन्य तृतीय स्थान पर रहे। दो समूहों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस अवसर पर डा. एम. हक, डा. अभिजीत पावड़े, डा. प्रकाश किंजवेडकर, डा. डी.बी.मंडल, डा. एस.के. घोष, डा. रेखा पाठक, डा. अभिषेक सक्सेना, डा. एस. महाजन, पशुपुनर्रूत्पादन विभाग के डा. हरेन्द्र कुमार, डा. संजीव मेहरोत्रा, औषधि विभाग के डा. उमेश डिमरी तथा स्टाफ कल्याण क्लब के डा. वाई.पी.एस. मलिक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन औषधि विभाग के डा. यू.के. डे द्वारा किया गया।